कार्यकारी सारांश

"चिडंग सोपस्टोन खनन परियोजना"

ग्राम- चिडंग,

तहसील और जिला-बागेश्वर, राज्य- उत्तराखंड

(क्षेत्रफल- 4.85 हेक्टेयर)

परियोजना प्रस्तावक

मै० बाबा बागनाथ माइन्स

ग्राम- चिडंग,

तहसील और जिला-बागेश्वर, राज्य- उत्तराखंड

पर्यावरण सलाहकार

कॉग्निज़ेंस रिसर्च इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

सूट नंबर-बी 02, एच-61, सेक्टर-63, नोएडा-201301 (यूपी)
संपर्क करें: +91-9910047760, +91-9990028245

सर्टिफिकेट नंबर NABET/EIA/1922/SA0186, 10 सितंबर, 2023 तक वैध

कार्यकारी सारांश

1.0 परियोजना और प्रस्तावक का परिचय

पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) एक निर्णय लेने वाला साधन है, जो निर्णय लेने से पहले किसी परियोजना के पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक प्रभावों की सीमा की पहचान करता है। ईआईए व्यवस्थित रूप से पर्यावरणीय मापदंडों की मौजूदा स्थितियों के ऊपर प्रस्तावित परियोजना के लाभकारी और प्रतिकूल दोनों प्रभावों की जांच करता है और यह सुनिश्चित करता है।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं

परियोजना का नाम	चिडंग सोपस्टोन खनन परियोजना
खनन परियोजना का स्थान	ग्राम- **चिडंग**, तहसील एवं जिला- बागेश्वर, उत्तराखंड
परियोजना प्रस्तावक का नाम	मै० बाबा बागनाथ माइन्स ग्राम- चिडंग, तहसील और जिला-बागेश्वर, राज्य- उत्तराखंड
क्षेत्रफल	4.85 हेक्टेयर
परियोजना की श्रेणी	"बी 1"
खनिज	सोपस्टोन
ऑनलाइन प्रस्ताव सं.	SIA/UK/MIN/448333/2023
फाइल संख्या	**EC-01(66)/2023**
आशय पत्र	मै० बाबा बागनाथ माइन्स के पक्ष में आशय पत्र कि पत्र संख्या 2301/VII-A-1/2021-01(49)/2021 दिनांक – 07.01. 2022, 25 वर्ष की अवधि हेतु खनन पट्टा स्वीकृत है।
टीओआर	355/एसईआईएए दिनांक 07/11/2023

ईआईए-ईएमपी रिपोर्ट 14 सितंबर 2006 की ईआईए अधिसूचना के तहत दिए गए टीओआर के अनुसार तैयार की गई है। प्रस्तावित खनन के कारण पर्यावरण पर प्रभाव का आकलन करने के लिए, एनजीटी आदेश दिनांक 13-09-2018 और एमओईएफ और सीसी ओएम संख्या एल-11011/175/2018-आईए-द्वितीय (एम) दिनांक 12-12-2018 के अनुसार परियोजना "बी 1" श्रेणी के अंतर्गत आती है क्योंकि क्षेत्र 5 हेक्टेयर से अधिक है।

1 .1 स्थान

गाँव	तहसील और जिला	राज्य	क्षेत्रफल हेक्टेयर में.
चिडंग	बागेश्वर	उत्तराखंड	4.85

तालिका -1.1 लीज क्षेत्र के आसपास साइट और आसपास का विवरण

निकटतम बस्तियाँ	चिरांग गांव- दक्षिण पूर्व दिशा में 130 मीटर
निकटतम सड़क	राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-309A) 3.70 किमी* दक्षिण दिशा की ओर एमडीआर रोड - दोफ़र धरमगढ़ रोड दक्षिण दिशा में 0.64 किमी
निकटतम हवाई अड्डा	पिथौरागढ हवाई अड्डा, दक्षिण पूर्व दिशा में 51.86 कि.मी
निकटतम रेलवे स्टेशन	काठगोदाम रेलवे स्टेशन, दक्षिण पश्चिम दिशा में 72.43 किमी
निकटतम राष्ट्रीय उद्यान/वन्यजीव अभयारण्य 10किमी के भीतर	10 किलोमीटर के दायरे में कोई राष्ट्रीय उद्यान/वन्यजीव अभयारण्य नहीं है।
जल निकाय	सरयू नदी पश्चिम उत्तर दिशा में 0.92 कि.मी पूँगार नदी दक्षिण दिशा में 2.70 कि.मी
निकटतम स्कूल / कॉलेज	सरकार. प्राथमिक विद्यालय - दक्षिण पश्चिम दिशा में लगभग 0.67 कि.मी सरकारी जूनियर हाई स्कूल, भेरू चौबाटा - दक्षिण दिशा में लगभग 2.33 किमी
निकटतम अस्पताल	जिला अस्पताल, मटियाली, बागेश्वर दक्षिण पश्चिम दिशा में लगभग 5.63 किमी जिला अस्पताल, दुग बाजार, कांडा रोड
मंदिर	हरू मंदिर- दक्षिण दिशा में लगभग 0.07 किमी भूमिया देवता मंदिर- पश्चिम उत्तर दिशा में लगभग 1.34 किमी

तालिका-1.2 परियोजना का विवरण

ऑनलाइन प्रस्ताव सं.	SIA/BR/MIN/448333/2023
प्रस्तावक का नाम **प्रस्तावक का पूरा पत्राचार का पता**	मै० बाबा बागनाथ माइन्स ग्राम- चिडंग, तहसील और जिला-बागेश्वर, राज्य- उत्तराखंड
परियोजना का नाम	चिडंग सोपस्टोन खनन परियोजना
ग्राम का नाम	चिडंग
तहसील	बागेश्वर
ज़िला	बागेश्वर
गौण खनिज का नाम	सोपस्टोन
स्वीकृत पट्टा क्षेत्र (हेक्टेयर में)	4.85 हेक्टेयर
परियोजना की श्रेणी	"बी"1
लीज क्षेत्र के भीतर अधिकतम और न्यूनतम एमआरएल	अधिकतम- 1374.30 mRL & 1228.80 mRL
कुल प्रस्तावित उत्पादन (पांच वर्षों में)	10,000 टन/प्रतिवर्ष (पाँचवें वर्ष में)

खान पट्टे की स्वीकृत अवधि	5 साल	
खनन की विधि	ओपन कास्ट मैकेनाइज्ड मेथड / OTFM	
कार्य दिवसों की संख्या	240 दिन	
काम के घंटे/दिन	8 घंटे	
श्रमिकों की संख्या	32	
खनन की अंतिम गहराई	18मी	
साइट से निकटतम पक्की सड़क	500 मी	
पानी की आवश्यकता	**उद्देश्य**	**आवश्यकता (केएलडी)**
	पीने	0.32
	घरेलू	0.32
	पेड़ लगाना	5.0
	धूल दमन	3.0
	कुल	**8.64**
किसी भी अदालत में परियोजना या भूमि के खिलाफ कोई मुकदमा लंबित है	नहीं	
प्रस्तावित परियोजना लागत	45,00,000/-	
प्रस्तावित ईएमपी बजट	आवर्ती लागत- 3,50,000 /- निश्चित लागत – 4,25,000 /-(रुपये में)	
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व लागत	रु 2,25,000/-	
हॉल रोड की लंबाई और चौड़ाई	लंबाई- 300 मीटर ,चौड़ाई- 6 मीटर	
लगाए जाने वाले पेड़ों की संख्या	2500 पौधे	

तालिका 1.3 खनन योजना अवधि में प्रस्तावित उत्पादन - 05 वर्ष

वर्ष	**सोपस्टोन की कुल मात्रा (टन)**
प्रथम वर्ष	8215
दूसरा साल	9724
तीसरा साल	13613
चौथे वर्ष	15158
पांचवा वर्ष	16905
कुल	**63,615**

1.3 पानी की मांग

खनन परियोजनाओं में धूल दमन और पीने के अलावा संचालन करने के लिए पानी की कोई आवश्यकता नहीं है। काम करने वाले लोगों की संख्या 32 है और कुल पानी की आवश्यकता लगभग 8.64 केएलडी होगी। यह पानी आसपास के इलाके से सप्लाई किया जाएगा।

तालिका 1.4- पानी की मांग

क्र.सं.	उद्देश्य	पानी की मांग के.एल.डी
1.	पीने का पानी	0.32
2.	घरेलू	0.32
3.	पेड़ लगाना	5.0
4.	धूल दमन	3.00
कुल		**8.64**

1.4 बेस लाइन डेटा

ग्राम- चिडंग, तहसील और जिला-बागेश्वर, राज्य-उत्तराखंड के आसपास के क्षेत्र के 10 किमी के दायरे के आधारभूत अध्ययन का विवरण है। एकत्र किए गए डेटा का उपयोग प्रस्तावित खनन परियोजना के आसपास के मौजूदा पर्यावरण परिदृश्य को समझने के लिए किया गया है जिसके विरुद्ध परियोजना के संभावित प्रभावों का आकलन किया जा सकता है।

निम्नलिखित के लिए प्रस्तावित खनन के संबंध में पर्यावरणीय डेटा एकत्र किया गया है-:

(ए)वायु

(बी)ध्वनि

(सी) पानी

(डी) मिट्टी

(ई) पारिस्थितिकी और जैव विविधता

(च) सामाजिक-अर्थव्यवस्था

तालिका 1.5 आधारभूत पर्यावरणीय स्थिति

गुण	आधारभूत स्थिति
परिवेशी वायु गुणवत्ता **5किमी के दायरे में 5 स्थानों पर परिवेशी वायु गुणवत्ता की निगरानी की गई**	मार्च 2023 से मई 2023 तक प्री-मानसून सीज़न के दौरान आठ स्थानों पर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी की गई है। अध्ययन क्षेत्र के भीतर दर्ज पीएम 2.5 का न्यूनतम और अधिकतम स्तर 23.38µg/m3 से 38.57µg/m3 की सीमा में था, जिसमें 98वां प्रतिशतक 38.51 µg/m3 था। अध्ययन क्षेत्र के भीतर दर्ज किए गए PM10 का न्यूनतम और अधिकतम स्तर 62.3 µg/m3 से 87.26µg/m3 की सीमा में था, जिसमें 98वां प्रतिशतक 86.16 µg/m3 था। अध्ययन क्षेत्र के भीतर दर्ज की गई SO2 की न्यूनतम और अधिकतम सांद्रता 5.4 µg/m3 से 9.7 µg/m3 की सीमा में थी, जिसमें 98वां प्रतिशतक 9.65 µg/m3 था। अध्ययन क्षेत्र के भीतर दर्ज किए गए NO2 का न्यूनतम और अधिकतम स्तर 14.3 µg/m3 से 21.6 µg/m3 की सीमा में था, जिसमें 98वां प्रतिशतक 21.46 µg/m3 था। इस प्रकार प्राप्त परिणामों से संकेत मिलता है कि परिवेशी वायु में PM10, PM2.5, SO2 और NO2 की सांद्रता औद्योगिक, आवासीय, ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता (NAAQ) मानकों के भीतर है।

ध्वनि का स्तर	ध्वनि की निगरानी चार स्थानों पर की गई। निगरानी कार्यक्रम के परिणामों ने संकेत दिया कि निगरानी किए गए सभी चार स्थानों पर ध्वनि के दिन और रात दोनों समय NAAQS की निर्धारित सीमा के भीतर थे।
पानी की गुणवत्ता	3 भूजल नमूनों और 2 सतही पानी के नमूनों का विश्लेषण किया गया और निष्कर्ष निकाला गया। सभी स्रोतों से भूजल पीने के उद्देश्यों के लिए उपयुक्त रहता है क्योंकि सभी घटक भारतीय मानक IS: 10500द्वारा प्रख्यापित पेयजल मानकों द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर हैं। सतही जल विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि नमूनों के अधिकांश पैरामीटर पारंपरिक उपचार और कीटाणुशोधन के बाद पेयजल स्रोत के लिए उनकी उपयुक्तता का संकेत देते हुए CPCB के वर्ग 'सी ' मानकों का अनुपालन करते हैं।
मिट्टी की गुणवत्ता	चिन्हित स्थानों से एकत्र किए गए नमूनों से पता चलता है कि मिट्टी रेतीली प्रकार की है और पीएच मान 7.05 से 7.74 के बीच है, जो दर्शाता है कि मिट्टी प्रकृति में क्षारीय है।
पारिस्थितिकी और जैव विविधता	अध्ययन क्षेत्र में कोई भी पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र मौजूद नहीं है
सामाजिक-अर्थव्यवस्था	विश्लेषण से पता चलता है कि गांव के पास एलओएस में बदलाव की संभावना नहीं है

1.5 वायु पर्यावरण

प्रस्तावित सोपस्टोन खदान जहां सल्फर डाइऑक्साइड (SO2), नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NOx) का उत्सर्जन वाहनों की आवाजाही से होता है, वहा PUC प्रमाणपत्र वाले वाहनों को ही संचालित किया जाएगा। अस्थायी धूल और कण प्रमुख प्रदूषक हैं जो खनन गतिविधियों से उत्पन्न होंगे। ट्रकों और टिपरों का अच्छी तरह से रख- रखाव किया जाता है ताकि निकास धुआं हानिकारक गैसों और बिना जले हाइड्रोकार्बन के असामान्य मूल्यों में योगदान न दे।

उत्सर्जन का नियंत्रण

- व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) जैसे डस्ट मास्क, ईयर प्लग आदि का खान श्रमिकों द्वारा उपयोग।
- ब्लास्टिंग नहीं की जाएगी।
- हॉल रोड और लोडिंग पॉइंट्स पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाएगा।
- पट्टा सीमा, सड़कों, डंप आदि के आसपास हरित पट्टी/पौधारोपण का विकास।
- परिवेशी वायु की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी नियमित आधार पर आयोजित की जाएगी।

गैस प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण

- खनन गतिविधियों में, ट्रकों की आवाजाही के माध्यम से गैस उत्सर्जन होंगा
- वाहनों के उचित रखरखाव से दहन प्रक्रिया में सुधार होता है और प्रदूषण में कमी आती है। ईंधन और तेल के अच्छे रखरखाव और निगरानी से गैस उत्सर्जन में महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं होगी।
- उपयोग किए जाने वाले सभी वाहनों के पास पीयूसी प्रमाणपत्र होगा।
- खनिज ले जाने वाले वाहनों को तिरपाल शीट से ढका जाएगा। इससे धूल के उत्सर्जन पर रोक लगेगी।

1.6 जल पर्यावरण

जल निकाय में क्षति, उसकी आत्मसात करने की क्षमता पर निर्भर करती है। सोपस्टोन के खनन से पानी की गुणवत्ता और मापदंडों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है क्योंकि खनन भूजल स्तर के साथ अवरोधन नहीं करता है। इस परियोजना में किसी धारा को मोड़ने या काट-छाँट करने का प्रस्ताव नहीं है। नदी से पानी की पम्पिंग के लिए कोई प्रस्ताव पारित नहीं किया गया है। इस परियोजना से सतही जल विज्ञान और भूजल व्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। मानसून के समय खदान में एकत्रित पानी को पंप की मदद से निकाला जाएगा और टैंकरों की मदद से पास के जल निकाय में डाला जाएगा । इस प्रकार खनन कार्य से नदी के पानी, भूजल तथा अन्य किसी भी निकटतम जलास्य के पानी को कोई क्षति नहीं होगी

(ए) जल संसाधन और सतही जल संसाधनों पर प्रभाव:

प्रस्तावित परियोजना के मद्देनजर क्षेत्र की स्थलाकृति में बड़े पैमाने पर बदलाव नहीं किया जाएगा। कोई सतही जल निकाय मौजूद नहीं है और न ही पट्टा क्षेत्र से होकर गुजरता है। खनन गतिविधि अवधि के दौरान, वर्षा जल के साथ ताजी विक्षुब्ध सामग्री के मिलने की संभावना है। इस तरह के आयोजनों से निपटने के लिए बैकफिल्ड गड्ढों के साथ-साथ मिट्टी और इंटर-बर्डन डंप के साथ रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जाएगा। बारिश शुरू होने से पहले सभी खनन गड्ढों को भर दिया जाएगा ताकि खनन गड्ढों में बारिश का पानी जमा न हो। बारिश के पानी को ढलानों के साथ प्रवाहित किया जाएगा ताकि यह प्राकृतिक धाराओं में निलंबन ना हो पाए।

1.7 ध्वनि पर्यावरण

प्रत्याशित प्रभाव और मूल्यांकन

खदान में उत्पन्न शोर अर्ध-मशीनीकृत खनन कार्यों, मशीनीकृत लोडिंग और ट्रक परिवहन गतिविधियों के कारण होता है।खनन गतिविधि से उत्पन्न शोर खान के भीतर समाप्त हो जाता है। हालांकि, उपरोक्त शोर स्तरों का स्पष्ट प्रभाव केवल सक्रिय कार्य क्षेत्र के पास ही महसूस किया जाता है। गाँवों पर शोर का प्रभाव नगण्य है क्योंकि गाँव खदानों से बहुत दूर स्थित हैं। चूँकि मशीनरी का कोई उपयोग नहीं है, शोर के स्तर का प्रभाव न्यूनतम होगा।

शोर में कमी और नियंत्रण

इस खदान में शोर का स्तर सहनीय सीमा (70 डीबी (ए)) तक होगा और शोर के स्तर को कम किया जा सकता है:

- नियमित अंतराल पर परिवहन वाहनों का उचित रखरखाव, ऑयलिंग और ग्रीसिंग
- सभी डीजल इंजनों में पर्याप्त साइलेंसर उपलब्ध कराए जाएंगे।
- शोर के प्रसार को कम करने के लिए कार्यालय भवन और खदान क्षेत्र के आसपास, सड़कों के किनारे पर वृक्षारोपण किया जाएगा।
- व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) जैसे ईयरमफ्स/ईयरप्लग खनन क्षेत्र में काम करने वाले सभी ऑपरेटरों और कर्मचारियों को प्रदान किए जाएंगे।
- समय-समय पर ध्वनि स्तर की निगरानी की जाएगी

1.8 यातायात विश्लेषण

उपरोक्त विश्लेषण से यह देखा जा सकता है कि ग्राम रोड के संबंध में खदानों के लिए वी/सी अनुपात 0.164 से 0.188 तक बदलने की संभावना है, ऊपर बताए गए वर्गीकरण एलओएस के अनुसार 'ए' के साथ एलओएस में कोई बदलाव नहीं है, एमडीआर रोड वी/सी के लिए भी एलओएस के समान "ए" होने पर अनुपात 0.112 से 0.119 हो गया, साथ ही एनएच 309/ए के लिए वी/सी अनुपात 0.173 से 0.1762 हो गया, एलओएस समान "ए" होने पर, जो ऊपर बताए गए वर्गीकरण एलओएस के अनुसार 'उत्कृष्ट' है। उत्खनित खनिजों को सीधे ट्रकों में लादकर संबंधित बाजार तक पहुंचाया जाएगा।

1.9 पर्यावरण प्रबंधन योजना बजट

तालिका 1.6 पर्यावरण प्रबंधन योजना के लिए आवंटित बजट

क्र.सं	विवरण	पूंजी लागत (रुपये में)	आवर्ती लागत (रुपये में)
1	ढुलाई पथ की मरम्मत एवं रखरखाव सड़क को 6 मीटर की चौड़ाई तक भरना, समतल करना और चौड़ा करना।		1,00,000
2	धूल दमन के लिए ढुलाई पथ पर पानी का छिड़काव		1,00,000
3	छह मासिक अनुपालन के लिए निगरानी लागत वायु/जल/शोर/मिट्टी की निगरानी	--	1,00,000
4	वृक्षारोपण एवं वृक्षारोपण के बाद देखभाल (प्रति वर्ष 500 पौधे)	1,00,000 वृक्षारोपण @ 200/पौधा	50,000
5	नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व	2,25,000	
6	खच्चर अपशिष्ट संग्रहण/परिवहन/चारा (बायोगैस लाभार्थी सुविधा को वितरण)	1,00,000	
कुल		**4,25,000**	**3,50,000**

1.10 खनन के लाभ

➢ **भौतिक लाभ**

खनन गतिविधियों के शुरू होने के बाद नागरिको को विभिन्न सुविधाओं का लाभ मिलेगा। सामुदायिक आवश्यकताओं की बुनियाद को अच्छे अस्पताल/स्वास्थ्य देखभाल, टाउनशिप में विकसित शैक्षिक सुविधाएँ, गांवों मे पेयजल की उपलब्धता, क्षेत्र में मौजूदा सड़कों के निर्माण/मजबूतीकरण द्वारा मजबूत किया जाएगा। प्रस्तावक या तो क्षेत्र में सुविधाएं प्रदान करके या सुधार करके उपरोक्त सुविधाओं की शुरुआत करेगा, जिससे स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में मदद मिलेगी। खदान में प्राथमिक चिकित्सा सुविधा के रूप में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ये चिकित्सा सुविधाएं आपात स्थिति में आसपास के स्थानीय लोगों को भी उपलब्ध होंगी।

➢ **सामाजिक लाभ**

- रोजगार सृजन और जीवन स्तर में सुधार;

- रॉयल्टी ,करों और शुल्कों के माध्यम से राज्य के राजस्व में वृद्धि ;और
- सुपीरियर संचार और परिवहन सुविधाएं आदि।
- क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण परिवर्तन होगा।
- प्रस्तावित परियोजना से रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। प्रस्तावित परियोजना हेतु अकुशल एवं अर्द्धकुशल श्रमिकों की भर्ती निकटवर्ती ग्रामों से की जायेगी।
- बुनियादी सुविधाओं का विकास जैसे। सड़कों ,परिवहन ,बिजली ,पेयजल ,उचित स्वच्छता ,शैक्षणिक संस्थानों ,चिकित्सा सुविधाओं ,मनोरंजन आदि का यथासंभव विकास किया जाएगा।
- कुल मिलाकर ,प्रस्तावित परियोजना से लोगों के जीवन स्तर में बदलाव आएगा और क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

पर्यावरणीय लाभ

➢ **हरित आवरण का संवर्धन**

कार्यक्रम के अनुसार 2500 पौधे पहुंच मार्ग और सीमांकित क्षेत्र मे रोपे जाएंगे ।रोपण के बाद, सफलता दर के मूल्यांकन के लिए हर मौसम में क्षेत्र की नियमित निगरानी की जाएगी। पौधों की प्रजातियों के चयन में स्थानीय लोगों को भी शामिल किया जाएगा। प्रबंधन बारिश के दौरान स्थानीय लोगों को वृक्षारोपण के लिए फल व अन्य पेड़ आदि के पौधे नि:शुल्क उपलब्ध कराएगा। इससे श्रमिकों व आसपास के ग्रामीणों में हरियाली के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। फलों के पेड़ अपने वित्तीय लाभ में योगदान कर सकते हैं।

1.11 कॉर्पोरेट पर्यावरण उत्तरदायित्व

तालिका 1.7 नैगमिक पर्यावरण उत्तरदायित्व के लिए आवंटित बजट (CER)

क्र.सं.	गतिविधि	मात्रा का ठहराव	पूंजी लागत
1	धार्मिक स्थलों का रखरखाव	**1**	75,000
2	सोलर स्ट्रीट लाइट की स्थापना	5	50,000
3	विद्यालय में बैंचों की स्थापना एवं रख-रखाव	-	1,00,000
कुल			**2,25,000**

1.12 निष्कर्ष

- खनन परिचालन MoEF & CC की अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करेगा
- सामुदायिक प्रभाव लाभकारी होंगे ,क्योंकि परियोजना से क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ उत्पन्न होंगे।
- अधिक पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रिया के साथ सर्वोत्तम उपलब्ध प्रौद्योगिकी और सर्वोत्तम प्रबंधन पद्धतियों को अपनाना।
- खनन गतिविधियों के दौरान पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमप) के प्रभावी कार्यान्वयन के साथ प्रस्तावित परियोजना पर्यावरण पर किसी भी महत्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव के बिना आगे बढ़ सकती है।